



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

15 माघ 1940 (श10)

(सं0 पटना 163) पटना, सोमवार, 4 फरवरी 2019

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

1 नवम्बर 2018

सं० 22/नि०सि०(कटि०)-25-09/2017/2335—श्री उमेश मुखिया, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमण्डल, बाँसी (आई0डी0-4455) के विरुद्ध जिला पदाधिकारी बाँका ने आरोप प्रतिवेदित किया कि दिनांक 2 अक्टूबर 2017 को जिला में हुई बारिश के कारण नदियों के पानी में अचानक वृद्धि हो गई जिससे तटबंधो, नहरों एवं Embankment पर काफी दबाव बन गया। बाँका प्रखण्ड अन्तर्गत मुख्य शहर के पूर्वी छोर पर स्थित चांदन नदी के उपर निर्मित पूल के समीप चांदन नदी द्वारा त्रिव गति से कटाव प्रारम्भ हो गया, संबंधित कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण प्रमण्डल बाँसी की खोज की गई तो वे अनुपस्थित पाये गये, दूरभाष पर सम्पर्क करने पर उनके द्वारा बताया गया कि किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं है जब उनको कटाव स्थल पर उपस्थित होने का आदेश दिया गया तो वे आधे धंटे के अंदर पहुँचने का आश्वासन दिये परन्तु शाम 7 बजे तक भी न तो स्वयं पहुँचे और न ही अपने अधीनस्थ किसी पदाधिकारी को कटाव स्थल पर उपस्थित होने का आदेश दिया।

उपर्युक्त आरोप के लिए श्री उमेश मुखिया, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमण्डल, बाँसी से विभागीय पत्रांक-2229 दिनांक-15.12.17 द्वारा स्पष्टीकरण की माँग की गई, तदालोक में श्री मुखिया ने अपना स्पष्टीकरण समर्पित किया, जिसमें उनका कहना है कि दिनांक-02.10.17 को प्रातः 4 बजे घर से पत्नी की गंभीर रूप से बीमार होने की सूचना मिली, ऐसी सूचना मिलते ही धबराहट में मैं घर के लिए प्रस्थान कर गया, गंभीर अवस्था में पत्नी को समुचित ईलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, इसके पश्चात वे अपने मुख्यालय के लिए प्रस्थान कर ही रहे थे कि विभागीय मोबाईल पर माननीय मंत्री महोदय से वार्ता हुई। वार्ता के क्रम में माननीय मंत्री महोदय को पूर्णियों में होने की जानकारी देते हुए इसके लिए क्षमा याचना भी की वे अपराहन 6 बजे बाँका स्थित चांदन नदी के अक्रामय स्थल पर पहुँचे एवं बाढ़ संघर्षात्मक कार्य को सफलतापूर्ण सम्पन्न कराये एवं परिस्थितिजन्य कारणों से कुछ देर के लिए मुख्यालय से अनुपस्थित रहने के संबंध में क्षमा याचना की।

श्री उमेश मुखिया से प्राप्त स्पष्टीकरण की सम्यक समीक्षा की गयी, समीक्षा में पाया गया की पत्नी की गंभीर बीमारी के कारण परिस्थितिजन्य कारणों से कुछ समय के लिए अपने मुख्यालय से बाहर रहे। यदि विशेष परिस्थिति में श्री मुखिया को मुख्यालय से बाहर जाने की आवश्यकता हुयी तो इसकी पूर्व सूचना उच्चाधिकारियों को देते हुए मुख्यालय छोड़ने की अनुमति प्राप्त कर लेनी चाहिए थी। बाढ़ जैसी संवेदनशील कार्यों में मुख्यालय से बाहर रहना, कटाव स्थल पर आवश्यक सामग्री की आपूर्ति नहीं करना उनकी स्वेच्छाचारिता को दर्शाता है। श्री उमेश मुखिया का यह कृत्य बिहार सरकारी सेवक आचरण नियमावली 1976 के नियम-3 के प्रतिकूल है।

इस तरह सम्यक समीक्षोपरांत उक्त आरोप के लिए श्री उमेश मुखिया, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमण्डल, बौसी सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, सोन उच्च स्तरीय नहर प्रमण्डल, औरंगाबाद को निम्न दण्ड देने का निर्णय लिया गया है:—

“तीन वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक”।

अतएव सरकार द्वारा लिये गये उक्त निर्णय के आलोक में श्री उमेश मुखिया तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमण्डल, बौसी सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, सोन उच्च स्तरीय नहर प्रमण्डल, औरंगाबाद को “तीन वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक” का दण्ड अधिरोपित एवं संसूचित किया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
राजभूषण प्रसाद,
सरकार के उप—सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 163-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>